पीपुल्स समाचार 4/5/2019

-छात्रा के बीच में कोई भेदभाव न हो इसके लिए यूजीसी ने जारी किया सर्कुलर

उच्च शिक्षण संस्थानों में छोरा-छोरी का भेदभाव मिटाएंगे जेंडर चैंपियन

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
news.indore@peoplessamachar.co.in

उच्च शिक्षण संस्थानों में लड़का और लड़की के बीच में कोई भेदभाव न हो इसलिए अब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सहित शहर के कॉलेजों में जेंडर चैंपियन बनाए जाएंगे। यूजीसी ने जेंडर चैंपियन के चुनाव के लिए सभी यूनिवर्सिटी को आदेश जारी कर दिए हैं। इस आदेश में कहा गया है कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जेंडर चैंपियन को नियुक्ति की जाए और यह जेंडर चैंपियन युवाओं को लिंग समानता का पाठ पढ़ाने के लिए होने वाली गतिविधियों का हिस्सा होंगे।

बनेंगे जेंडर चैंपियन क्लब - यूजीसी की इस योजना के तहत संस्थानों में वुमेंस सेल स्कीम के तहत जेंडर चैंपियन क्लब का गठन किया जाएगा। इसके साथ ही जेंडर चैंपियन भी चुने जाएंगे। जानकारी के अनुसार 2015 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने संयुक्त रूप से यह योजना तैयार की थी। इसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी यूनिवर्सिटियों में एक छात्र और एक छात्रा को जेंडर चैंपियन बनाए जाने के लिए दिशा-निर्देश तय किए थे। अब यूजीसी ने इन्हीं दिशा-निर्देशों के मुताबिक, इस सत्र के लिए जेंडर चैंपियन बनाए जाने का आदेश दिया है। ये जेंडर चैंपियन शिक्षण संस्थानों में लैंगिक भेदभाव मिटाने के लिए काम करेंगे।

भेदभाव मिटाने कॉलेजों में होंगी कई प्रतियोगिताएं - लैंगिक भेदभाव को दूर करने के लिए कॉलेजों में कई तरह की प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। इनमें चर्चा, वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग, भाषण, स्लोगन राइटिंग जैसी प्रतियोगिताएं शामिल हैं। जेंडर चैंपियन इन प्रतियोगिताओं के जरिए जागरूकता अभियान चलाएंगे। इसके अलावा जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्य सोशल नेटवर्किंग साइट्स और ब्लॉग के जरिए भी लिंग समानता के प्रति युवाओं को जागरूक करेंगे। इसके अलावा क्लब के जरिए वर्कशॉप, नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही महिला सुरक्षा हेल्पलाइन आदि के बारे में जानकारी भी दी जाएगी।

संस्थान अपने स्तर पर चुनेंगे चैंपियन

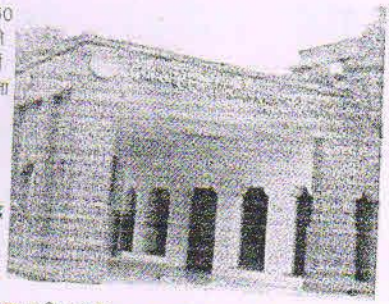

जानकारी के अनुसार कॉलेजों में न्यूनतम 50 फीसदी अंक पाने वाले सक्रिय छात्र-छात्राओं को इसके लिए चुना जा सकता है। इसके अलावा विद्यार्थियों की कॉलेज में उपस्थिति, बोलने की क्षमता, प्रेजेंटेशन स्किल आदि को देखकर भी उनका चयन किया जाएगा। यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों से कहा है कि चयन प्रक्रिया के लिए बाकायदा नोटिस बोर्ड पर सूचना जारी करें और छात्रों से आवेदन मांगें। इसके अलावा जेंडर चैंपियन अपना काम ठीक से कर रहे हैं या नहीं इसकी जांच करने के लिए कॉलेज नोडल अधिकारी की तैनाती करेंगे, जो चैंपियन के साथ ही क्लब के कामकाज की भी समीक्षा करेंगे।

इनका कहना है

विश्वविद्यालय में लैंगिक समानता को लेकर लगातार कार्य चल रहा है, क्योंकि नैक के क्राइटेरिया में भी लैंगिक समानता एक बिंदु है। इसके अलावा यूजीसी ने जेंडर चैंपियन बनाने को लेकर जो भी दिशा-निर्देश दिए हैं, हम उनका पूरी तरह से पालन करेंगे और विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों में इन्हें लागू करेंगे।

-चंदन गुप्ता,
मीडिया प्रभारी, डीएवीवी, इंदौर